जिले के 46 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने वीडियो के माध्यम से लिया ज्ञान

ज्ञानसेतु बना जिले के 146 विद्यालयों का स्मार्ट टीचर

भास्कर न्यूज | कटनी

शिक्षकों की कमी है, यह समस्या सब बताते हैं। लेकिन कटनी जिले ने इस समस्या के समाधान के लिये कार्य किया। जिसके चलते जिले का प्रयास प्रदेश के अन्य जिलों के लिये उदाहरण बन चुका है। यह संभव हुआ है जिला प्रशासन द्वारा प्रारंभ किये गये ज्ञानसेतु प्रोजेक्ट से। जिसने जिले में संचालित शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिये शैक्षणिक सत्र 2017-18 में उनकी पढ़ाई में अहम भूमिका अदा की है। ज्ञानसेतु प्रोजेक्ट यह उन विद्यार्थियों के लिये एक ऐसा अहम जरिया बना है जहां विद्यालयों में विषय विशेष के शिक्षकों की कमी, उनकी शिक्षा में बाधा बन रही थी। यह प्रोजेक्ट कितना प्रभावकारी रहा यह तो हाईस्कल एवं हायर सेकेंड्री के परीक्षा परिणामों से ही स्पष्ट होगा।

एलईडी, प्रोजेक्टर का सहारा

ज्ञानसेतु प्रोजेक्ट के तहत जिले के लगभग सभी हाई स्कूल व हायर सेकेण्डरी स्कूलों में एलईडी टीव्ही व कुछ स्कूलों में तो प्रोजेक्टर के माध्यम से वीडियो क्लासेस विद्यार्थियों ने अटेन्ड की। जिससे उन्हें शिक्षकों की कमी भी महसूस नहीं हुई। विद्यार्थियों ने स्वयं वीडियो लैक्चर्स को बार.बार रिपीट करके अपना रिवीजन भी किया। इस तरह जिले के 146 विद्यालयों के 46 हजार 675 विद्यार्थियों के लिये कलेक्टर द्वारा किया गया यह प्रयास ज्ञानपुंज के रुप में विकसित हुआ है। स्मार्ट टीचर बने ज्ञानसेतु प्रोजेक्ट से जहां विद्यार्थियों को हाई क्लास लेवल के टीचर्स स्कूल में बैठे हुए ही मिल गये। वहीं विषयों को सरल व सहज तरीके से इन वीडियो के माध्यम से विद्यार्थियों ने अध्ययन किया है।

आयुक्त लोक शिक्षण ने की सराहना

उल्लेखनीय है कि जिले में वीडियो ज्ञानसेतु की शुरुआत 29 जुलाई 2017 को की गई थी। प्रदेश के वित्त एवं वाणिज्यकर मंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री जयंत मलैया ने हायर सेकेण्डरी स्कूल जोबीकलां में इसका शुभारंभ किया था। साथ ही विद्यार्थियों का फीडबैक भी लिया था। साथ ही ज्ञानसेतु प्रोजेक्ट की सराहना भी की थी। वहीं आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय ने भी ज्ञान सेतु प्रोजेक्ट की सराहना की थी। आयुक्त लोक शिक्षण नीरज दुबे ने पत्र लिखकर कलेक्टर विशेष गढ़पाले को इस पहल के लिये बधाई दी थी। उन्होंने कहा कि इससे जिले के हाई स्कूल व हायर सकेंडरी विद्यालयए जहां पर शिक्षकों के पद रिक्त हैए उन्हें निश्चित ही इसका लाभ मिलेगा। यह प्रयास निश्चित ही सराहनीय है। श्री दुबे ने कलेक्टर श्री गढ़पाले को भविष्य में ज्ञान सेतु परियोजना के माध्यम से आने वाले परिणामों से अवगत कराने को भी कहा था।

वीडियो लैक्चर से हो रही पढ़ाई

कलेक्टर विशेष गढ़पाले के निर्देश पर इस दिशा में कार्य किया गया। जिसके सार्थक परिणाम सामने आये। सीएसआर एक्टिविटी के तहत कैमोर में संचालित एसीसी सीमेन्ट फैक्ट्री ने इस नवाचारी प्रयास में अपना सहयोग दिया। जिसके माध्यम से एसीसी द्वारा संचालित विद्यालयों के शिक्षकों ने कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक के विज्ञान और गणित संकाय के विषयों का वीडियो लैक्चर तैयार किया। गुणवत्तापूर्ण ये वीडियो लैक्चर जिले के 146 हाई व हायर सेकेण्डरी स्कूलों के लिये स्मार्ट टीचर के रुप में सामने आये।